अपठित अनुच्छेद

कक्षा - पाँचवीं

विषय - हिन्दी

१ निम्नलिखित अनुच्छेद को पढकर निचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

" समस्तजीबधारी पेड़ -पौधों पर पेड़ - पौधों पर निर्भर हैं | अनेक प्रकार के फल, मेवे, अनाज, सब्जियाँ आदि पेड़ - पौधों से ही प्राप्त करते हैं | जिन पेड़ - पौधों में रेशे होते है उनसे वस्त्र बनाए जाते हैं | इस प्रकार हम पेड़ - पौधों से भूख शांत करने के लिए भोजन और शरीर ढकने के लिए वस्त्र प्राप्त करते हैं | यही नहीं पेड़ - पौधों हवा को शुद्ध तथा स्वच्छ रखने में सहायक होते हैं | इन्ही के कारण हमें साँस लेने के लिए स्वच्छ हवा मिलती है | वनस्पति से हमें अनेक प्रकार की जड़ी - बूटियाँ, मसाले, तेल आदि प्राप्त होते है | इस बात से यह स्पष्ट है कि पेड़ - पौधों के बिना हमारा जीवन असंभव है |

क) समस्त जीवधारी किस पर निर्भर हैं ?

ख) हमारे वस्त्र किस प्रकार के पेड़ - पौधों से बनाए जाते है ?

ग) पेड़ - पौधों हवा को कैसा रखते है ?

घ) वनस्पति से हमें क्या प्राप्त होता है ?

ड) किस चीज के बिना हमारा जीवन असंभव है ?

च) समान अर्थ लिखो

कपड़ा -

छ) विलोम शब्द

अशांत -

झ) अनुच्छेद से दो संज्ञा शब्द लिखो

च) वाक्य प्रयोग करो

वनस्पति

२अनुच्छेद को पढकरनिचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए|

" आधुनिक पेशावर के पास तक्षशिला विश्वविधालय था | बौध्दकाल में यह ज्ञान का केंद्र बन गया था | सारे भारत और और सीमापार से विधार्थी यहाँ पड़ने आते थे | बुध्द ने सबके लिए करुणा और प्रेम का सन्देश दिया | इस संसार में घृणा का अंत घृणा से नहीं होता | घृणा का अंत प्रेम से होता है | अत: मनुष्य को क्रोध पर दया से और बुराई पर भलाई से काबू पाना चाहिए | युध्द में भले ही कई हजार आदमियों पर विजय पा लें , पर जो अपने पर विजय पाता है,वही सच्चा विजेता है | मनुष्य की जाति जन्म से नहीं बल्कि केवल कर्म से तय होती है |"

Visit www.ncerthelp.com for Ncert Solutions in Text and Video , CBSE Sample papers, Exam tips, NCERT BOOKS, Motivational Videos, Notes for All Classes and Many More...

क) तक्षशिला विश्वविधालय कहाँ था ?

ख) बुध्द ने सबके लिए क्या संदेश दिया ?

ग) घृणा का अंत किससे होता है ?

घ) बुराई पर किससे काबू पाना चाहिए ?

ड) सच्चा विजेता कौन होता है ?

च) तक्षशिला विश्वविधालय में कहाँ - कहाँ से विधार्थी पढ़ने आते थे ?

छ) समान अर्थ लिखो

नफरत -

ज) विलोम शब्द

पराजय

झ) दो संज्ञा शब्द छांटकरलिखो

१.

२.

च) वाक्य बनाओ

दया -

३.अनुच्छेद को पढकरनिचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए|

" झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई का जन्म वाराणसी के एक साधारण परिवार में हुआ था | लक्ष्मीबाई के पिता मोरोपंत बड़े सुशील एवं सरल स्वभाव के थे | बालिका के जन्म लेने पर ज्योतिषियों ने भविष्यवाणी की थी, " एक दिन इस बालिका के नाम से भारतवर्ष गौरवान्वित होगा |" मोरोपंत अपनी पुत्री से प्राणों से भी अधिक प्यार करते थे | दुलार से पुत्री को मनु कहकर पुकारते थे | परन्तु जब वह तीन वर्ष की थी तभी उसकी माता का स्वर्गवास हो गया | इसके बाद मोरोपंत वाराणसी छोड़कर बाजीराव पेशवा के यहाँ बिठूर चले गए |

१) झाँसी की रानी कौन थी ?

२) लक्ष्मीबाई का जन्म कहाँ हुआ था ?

३) लक्ष्मीबाई के पिता का क्या नाम था ?

४) बालिका के जन्म पर ज्योतिषियों ने क्या भविष्यवाणी की थी ?

५) मोरोपंत अपनी पुत्री को दुलार से क्या कहकर पुकारते थे ?

६) लक्ष्मीबाई की माता का स्वर्गवास कब हुआ ?

Visit www.ncerthelp.com for Ncert Solutions in Text and Video , CBSE Sample papers, Exam tips, NCERT BOOKS, Motivational Videos, Notes for All Classes and Many More...

७) पत्नी की मृत्यु के बाद मोरोपंत कहाँ चले गए ?

८) समान अर्थ लिखो

बेटी -

मृत्यु -

९) लिंग बदलो

माता -

बालक -

१०) वाक्य बनाओ

प्यार -